''कृषि श्रमिक : समस्याएँ एवं निदान''

डॉ० शांति कुमारी

ब्रिटिश काल में कुटीर उद्योग–धन्धों का नष्ट होना, ग्रामीण ऋणग्रस्तता तथा भूमि को गिरवी आदि के कारण कृषि श्रमिकों की संख्या में वृद्धि होती चली गई। कृषि श्रमिकों में जो वृद्धि हुई वह भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में समान नहीं थी। कृषि श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या बिहार में है। इसके पश्चात् क्रमशः आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र का स्थान है।